

आईआईटी रोपड़ स्टार्टअप्स को दे रहा है नई उड़ान: '100 स्टार्टअप्स 100 डेज़' पहल के तहत स्प्रिंट नॉर्थ एडिशन का उद्घाटन आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में हुआ।

रोपड़, 12 सितम्बर: आज भारत की स्टार्टअप यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ा, जब आईआईटी रोपड़ की '100 स्टार्टअप्स 100 डेज़' पहल के तहत स्प्रिंट नॉर्थ एडिशन का उद्घाटन हुआ। यह कार्यक्रम आईआईटी रोपड़ टीआईएफ (आईहब - अवध, डीएसटी के तहत एनएम-आईसीपीएस टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब), अन्नम.एआई (कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित उत्कृष्टता केंद्र) और टीबीआईएफ द्वारा संचालित है।

कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी रोपड़ टीआईएफ की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राधिका त्रिखा ने डीपटेक इकोसिस्टम के निर्माण के अवध के मिशन पर प्रकाश डालते हुए की। आईआईएलएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. रवि कुमार जैन ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद आईआईटी रोपड़ टीआईएफ के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. मुकेश केस्टवाल ने अवध के प्रमुख कार्यक्रमों स्प्रिंट और 100 स्टार्टअप्स 100 डेज़ पर अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें ₹17 करोड़ के निवेश और बाहरी निवेशकों से ₹110 करोड़ से अधिक जुटाए जाने के साथ 160 से अधिक स्टार्टअप्स के पोर्टफोलियो की वृद्धि का उल्लेख किया गया। व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन के जल परिषद के अध्यक्ष श्री किशन गोयनका और डीएसटी एनएम-आईसीपीएस की वरिष्ठ वैज्ञानिक-सी सुश्री तनुश्री शर्मा ने सभा को संबोधित किया, पायलट नीरज शेखावत, राष्ट्रीय प्रभारी - अनुसंधान और नीति, भाजपा किसान मोर्चा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद उद्घाटन पैनल और मुख्य सत्र की शुरुआत आईआईएलएम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) पद्मकली बनर्जी के भाषण से हुई। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में आईआईटी रोपड़ की तीव्र प्रगति की सराहना की। उन्होंने बताया कि मई में स्प्रिंट हरियाणा शुरू करने के मात्र तीन महीनों के भीतर ही, यह पहल हैदराबाद और गुरुग्राम तक फैल चुकी है और उत्तरी क्षेत्र से 13 आशाजनक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए इस तरह के बड़े पैमाने पर, तेज़ गति वाले प्रयास बेहद ज़रूरी हैं।

इस अवसर पर, आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने अपने वर्चुअल संबोधन में 100 स्टार्टअप्स 100 डेज़ को गति, पैमाने और स्थिरता के साथ उद्यमियों को सशक्त बनाने का एक आंदोलन बताया। आईहब - अवध और अन्नम.एआई के परियोजना निदेशक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने डीप-टेक स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने और भारत को एक वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए शुरुआती पूंजी और एक समर्पित निधि की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण चेक और प्रमाणन समारोह था, जहाँ जेनेसिस ईआईआर कार्यक्रम के 13 चयनित स्टार्टअप और 3 नवप्रवर्तकों को उनके अभूतपूर्व विचारों और उद्यमशीलता की भावना के लिए सम्मानित किया गया।

"सीमाओं से परे: डीपटेक निवेश के भविष्य को खोलना" विषय पर एक उच्चस्तरीय पैनल चर्चा हुई, जिसमें सुश्री माया शेरमन (भारत में इज़राइल दूतावास), सुश्री नेमेसिसा उज्जैन (द सर्कल एफसी), सुश्री नेहा मल्होत्रा (मेरिटएक्स वेंचर्स), श्री मयंक कुमार (नैसकॉम), और श्री हिमांशु जोशी (एआईएम नीति आयोग) जैसे प्रमुख लोग शामिल थे, जिसका संचालन श्री संतोष शर्मा (बुकमायजेट) ने किया। इस सत्र में डीपटेक स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक स्तर पर विस्तार के अवसरों पर चर्चा की गई। इसके बाद एक संस्थापक वार्ता हुई, जिसमें डॉ. प्रीत संधू (एवीपीएल इंटरनेशनल) और श्री खालिद वानी (वन कैपिटल लिमिटेड और केडब्ल्यूसीजी) ने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा साझा की।

इस कार्यक्रम में लाइव स्टार्टअप पिच और प्रमुख पहलों का अनावरण भी शामिल था, जिसमें अवध प्रगति रिपोर्ट, नैसकॉम के सहयोग से डीटीसी एक्सेलरेट - क्लाइमेटटेक का शुभारंभ, और भारत इनोवेट 2026 पर एक अपडेट शामिल था। यह शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है जिसका उद्देश्य जून 2026 में फ्रांस में भारत के शीर्ष 100 नवाचारों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना और उनका विस्तार करना है।

दिन का समापन परिणामों की घोषणा और आईआईएलएम विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (डॉ.) सौरभ त्रिवेदी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने 50 से अधिक वेंचर कैपिटल भागीदारों, 40 से अधिक इनक्यूबेटरों, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय स्टार्टअप हब, भाषिणी, स्टार्टअप इंडिया, इंडिया एआई और सीफंड सहित प्रमुख सरकारी एंकरों के समर्थन को स्वीकार किया, जिसमें उद्योग, स्टार्टअप और सरकार के 130 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया।
